कुमारा पार्क-बेंगलुरु(कर्नाटक)। माननीय मुख्यमंत्री डीके शिव कुमार को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सरोजा दीदी। साथ हैं अन्य बहनें।

बैतूल-म.प्र.। रक्षाबंधन पर्व पर केंद्रीय राज्य मंत्री डीडी उइके को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु मालती, ब्र.कु. सुनीता, ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. पूर्णिमा एवं ब्र.कु. नंदकिशोर।

बिलासपुर-निराला नगर(छ.ग.)। रक्षाबंधन के अवसर पर राजयोग भवन में भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री तोखन साहू को रक्षासूत्र बांधते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. स्वाति। साथ हैं मंत्री जी की धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती साहू एवं ब्र.कु. संतोषी।

परमात्म ऊर्जा

योगी जीवन की तीन भाषा

मुख की भाषा तो कॉमन भाषा है लेकिन नैनों की भाषा, भावना की भाषा, संकल्प की भाषा, यह तीन प्रकार की भाषा रुहानी योगी जीवन की भाषा है। जितना-जितना अंतर्मुखी, स्वीट साइलेन्स स्वरूप में स्थित होते जाएंगे, उतना इन तीन भाषाओं द्वारा सर्व आत्माओं को अनुभव कराएंगे। यह तीन अलौकिक भाषाएं बहुत शक्तिशाली है। मुख की भाषा सुनकर और सुनाकर मैजॉरिटी थक गए है, इसलिए यह तीन भाषाओं का भाषण कर सुख की गहरी अनुभूति कराके दुःख के बंधनों से मुक्त कराओ। कितना भी कोई दूर हो, कोई साधन नहीं हो लेकिन संकल्प की भाषा द्वारा किसी को भी मैसेज दे सकते हो। अंत में, यह सारे साधन जब फेल हो जाएंगे, तब यही संकल्प की भाषा काम में आएगी और यह साइलेन्स का साधन काम में आएगा लेकिन कोई भी कनेक्शन जोड़ने के लिए सदा लाइन क्लियर चाहिए। जितना-जितना एक बाप और उन्हीं द्वारा सुनाई हुई नॉलेज में व उसी नॉलेज द्वारा सेवा में सदा बिज़ी रहने के अभ्यासी होंगे उतना श्रेष्ठ संकल्प होने के कारण लाइन क्लियर रहेगी। तीन मिनट के भाषण का सार सेकंड में संकल्प की भाषा से अनुभव करा सकते हो। सेकंड में जीवनमुक्ति का जो गायन है, वह अनुभव करा सकते हो।

कथा सरिता

भाव ही सबसे बड़ा उपहार

द्वारकाधीश कृष्ण पांडवों के संधिदूत बनकर आ रहे थे। दुःशासन का भवन जो राजभवन से भी सुंदर था, वासुदेव के लिए वह खाली कर दिया गया था। धृतराष्ट्र ने आदेश दिया कि हमारे यहाँ की सर्वोत्तम वस्तुएँ दुःशासन के भवन में एकत्र कर दी जाएँ और वासुदेव को भेंट कर दी जाएँ। दुर्योधन के मन में यद्यपि प्रेम नहीं था तथापि वह अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहा था। उसने भवन, मार्ग आदि इस तरह सजवा दिए थे कि वे हस्तिनापुर के इतिहास में बेजोड़ थे।

द्वारकाधीश कृष्ण का रथ आया। नगर से बाहर जाकर दुर्योधन ने भीष्म, द्रोण, कृपाचार्य, विदुर आदि सम्माननीय पुरुषों व भाइयों के साथ उनका स्वागत किया। उनके साथ सब नगर में आये। दुर्योधन विनम्रतापूर्वक बोला-"पधारें वासुदेव!" मगर वासुदेव बोले -" आपके उदार स्वागत के लिए धन्यवाद, किंतु दूत का कर्त्तव्य है कि जब तक उसका कार्य पूर्ण न हो, वह दूसरे पक्ष के यहाँ भोजनादि न करे। जो भूख से मर रहा हो, वह चाहे जहाँ भोजन कर लेता है, किंतु जो भूखा नहीं है, वह दूसरे घर तभी भोजन करता है, जब उसके प्रति वहाँ प्रेम हो। भूख से मैं मर नहीं रहा हूँ और प्रेम आपमें है नहीं।" द्वारकाधीश का रथ मुड़ गया विदुर के भवन की ओर। उनके लिए जो दुःशासन का भवन सजाया गया था, उसकी ओर तो देखा भी नहीं, इसीलिए तो कहा है - भाव के भूखे है भगवान।

शिक्षा :- भगवान बाहरी वैभव नहीं, बल्कि सच्चे प्रेम, श्रद्धा और निष्कपट भाव को स्वीकार करता है।

पांडव भवन-माउंट आबू(राज.)। उत्तर प्रदेश विधानसभा सदस्य तथा पूर्व लोकसभा सदस्य, समाजवादी पार्टी तूफान सिंह सरोज, समीर जी के ब्रह्माकुमारीज़ मुख्यालय पांडव भवन आने पर चार धाम का अवलोकन करने के पश्चात् शांति स्तम्भ पर समूह चित्र में साथ है ब्र.कु. शशिकांत।

घाटकोपर-मुंबई(महा.)। शरद कचालिया,डायरेक्टर ऑफ नवनीत मोटर्स को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए उपक्षेत्रीय निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. शकु दीदी एवं वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. विष्णुप्रिया।

खरोरा-छ.ग.। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर एमिटी युनिवर्सिटी के वाइस चांसलर पीयूष कांत पांडे एवं ज्वाइन डायरेक्टर सुमिता दवे को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. उमा बहन। साथ हैं ब्र.कु. सावित्री।

सुदामा नगर-इंदौर(म.प्र)। रक्षाबंधन पर्व पर मूक बधीर स्कूल,अधीक्षिका मोनिका वर्मा,पंजाबी को रक्षासूत्र बांधते हुए ब्र.कु दामिनी।

कटनी-सिविल लाइन(म.प्र.)। रक्षाबंधन के अवसर पर जिला जेल में जेल अधीक्षक प्रभात चतुर्वेदी, जेलर अरविंद सिंह दाहे एवं कैदी भाइयों को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. सविता, ब्र.कु. शिल्पा, ब्र.कु.ज्योति तथा अन्य।

अकलतरा-छ.ग.। नगर पालिका अध्यक्षा श्रीमती दौति सारथी एवं पूर्व सैनिक रोहित सारथी को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भुनेश्वरी।

अमितेश नगर-इंदौर(म.प्र.)। रक्षाबंधन पर्व पर चोइथराम नर्सिंग कॉलेज प्रिंसिपल श्रीजा विजय व प्रोफेसर वैशाली तिवारी को रक्षासूत्र बांधने व ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. श्रुति, ब्र.कु. महिमा एवं डॉ. शिल्पा देसाई।

जकातवाडी-सातारा(महा.)। रक्षाबंधन पर्व पर लोकनियुक्त सरपंच अश्विनी दळवी और पंचायत समिति सदस्य कोमल दळवी का पुष्प से स्वागत करते हुए ब्र.कु. शांता।